ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 18 अंक 32 कुल पृष्ठ-8 2 से 8 मार्च, 2023 दयानन्दाब्द 198 सृष्टि सम्वत् 1960853123 सम्वत् 2079 फा. कृ.-12

जगत गुरु महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयन्ती को भव्यता के साथ मनाने के लिए दिनांक 12 फरवरी, 2023 (रविवार) को आगरा के सूर्यनगर पार्क में विशाल समारोह का आयोजन किया गया

आगरा की समस्त आर्य समाजों की ओर से आयोजित इस समारोह में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के नेता स्वामी आर्यवेश जी रहे मुख्य वक्ता

आगरा नगर की समस्त आर्य समाजों की ओर से आयोजित महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का 199वां जन्मोत्सव सूर्यनगर पार्क में भव्यता के साथ मनाया गया। इस आयोजन में आर्य समाज नाई की मण्डी, आर्य समाज कमला नगर, आर्य समाज बलेकेश्वर कमलानगर, आर्य समाज ताशगंज, आर्य समाज शाहगंज, आर्य समाज बालाजीपुरम, आर्य समाज विभवनगर, आर्य समाज जयपुर हाउस, आर्य समाज इन्दिरा कॉलोनी, आर्य समाज राजा मण्डी, आर्य समाज फ्रीगंज, आर्य समाज आवास विकास सिकंदरा, जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा, आर्य परिवार ग्राण्ट होटल, वैदिक ज्ञान–विज्ञान संस्थान, वैदिक सत्संग मण्डल ईदगाह कालोनी, सद्भावना जन–कल्याण ट्रस्ट, आर्य पुरोहित सभा, आर्ष गुरुकुल व श्रीकृष्ण गोशाला, विजयनगर दखौला आदि आर्य समाजों तथा संस्थाओं का सक्रिय योगदान रहा। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संयोजन युवा विद्वान् श्री अश्विनी आर्य तथा युवा भजनोपदेशक श्री प्रदीप शास्त्री फरीदाबाद के भजनों की शानदार प्रस्तुति रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 8 से 9 बजे तक अग्निहोत्र के द्वारा किया गया। 9.30 बजे 199 दीपक प्रज्ज्वलित किये गये, उसके पश्चात् विधिवत रूप से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में स्वामी आर्यवेश जी ने अपना ओजस्वी उद्बोधन देकर जगत् गुरु महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। स्वामी आर्यवेश जी का इस अवसर पर समस्त आर्य समाजों तथा अन्य संस्थाओं के अधिकारियों ने माल्यार्पण तथा ओ३म् पट्ट के द्वारा जोरदार स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी आर्यवेश जी ने अपने उद्बोधन में महर्षि दयानन्द जी को आधुनिक युग के महान् योगी, वेदों के मर्मज्ञ, नारी जाति को सम्मान दिलाने वाले, दलितोद्धारक, वर्णाश्रम व्यवस्था के प्रबल प्रवक्ता, आर्ष शिक्षा एवं गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के पक्षधर, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती को अपने शब्दों से श्रद्धांजलि दी। स्वामी जी ने कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने वेदों के आधार पर त्रैतवाद के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। महर्षि दयानन्द जी ने महाभारत के बाद वेदों को पुनः उपलब्ध कराकर मानव जाति का महान् उपकार किया। उन्होंने स्त्रियों पर होने वाले अत्याचार एवं तिरस्कार के विरुद्ध प्रचण्ड अभियान चलाया, वहीं गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को मानव के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण बताया। स्वामी दयानन्द जी ने स्वतंत्रता आन्दोलन में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी और उन्हीं की प्रेरणा से अनेक बलिदानी युवकों ने राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। स्वामी आर्यवेश जी ने घोषणा की कि आगामी दो वर्ष तक महर्षि दयानन्द सरस्वती की दूसरी जन्मशती के पर्व को उत्साह के साथ मनाया जायेगा। आज से आगामी दो वर्ष के कार्यक्रमों की जहां देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यक्रम का शुभारम्भ करेंगे वहीं आगरा की ऐतिहासिक नगरी से हम सभी आर्यजन इस पर्व का शुभारम्भ विशाल जनसमूह की उपस्थिति में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में देश के विभिन्न भागों में जन–चेतना यात्राओं के माध्यम से ऋषि दयानन्द जी के सन्देश को आम आदमी तक पहुंचाया जायेगा। 200 संन्यासी, वानप्रस्ती व नैष्ठिक ब्रह्मचारी तैयार किये जायेंगे। 200 जीवनदानी नवयुवक प्रशिक्षित किये जायेंगे। 200 संगोष्ठियां आयोजित की जायेंगी। इसी प्रकार प्रत्येक आर्य समाज अपने–अपने क्षेत्र में घर–घर जाकर महर्षि का सन्देश लोगों तक पहुंचायेंगे। शीघ्र ही 200 विषयों पर विद्वानों के द्वारा ट्रैक्ट तैयार किये जायेंगे, जिन्हें प्रकाशित करके लोगों में वितरित कराया जायेगा। ऐसी अनेक महत्त्वाकांक्षी योजनाओं पर पूरे विश्व में आर्य समाज कार्य करेगा। स्वामी आर्यवेश जी ने आगरा की आर्य समाजों के समस्त पदाधिकारियों को इस शानदार आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

इस अवसर पर श्री उमेशचन्द्र कुलश्रेष्ठ एवं श्री विश्वेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ सम्पन्न कराया तथा श्री प्रदीप शास्त्री ने महर्षि दयानन्द जी का गुणगान अपने भजनों के माध्यम से किया। इस पूरे कार्यक्रम की समन्वयक श्री राजेश मलहोत्रा थे तथा काका युधिष्ठिर व डॉ. विद्यासागर को आर्यरत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया और शरद पालीवाल परिवार को श्रेष्ठ आर्य परिवार सम्मान दिया गया।

इस अवसर पर पुरोहित सभा के प्रधान श्री हरि शंकर अग्निहोत्री, श्री रमाकांत सारस्वत, श्री वीरेन्द्र कंवर, श्री विजय अग्रवाल, श्री राजीव दीक्षित, श्री अनुज आर्य, श्री प्रदीप डेमला, डॉ. वीरेन्द्र खंडेलवाल, श्री विजयपाल सिंह चौहान, श्री भारतभूषण, श्री अरविन्द मेहता, श्री सुभाष अग्रवाल, श्री राजेश तिवारी, श्री त्रिवेणी आनन्द, श्री बृजराज सिंह परमार, डॉ. दिवाकर वशिष्ठ, श्री अमरेन्द्र गुप्ता, श्री मंजू गुप्ता, श्री सुधारक गुप्ता, श्री विकास आर्य, मालती अरोड़ा और श्री प्रभात माहेश्वरी आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरान्त प्रीति भोज की सुन्दर व्यवस्था की गई थी जिसमें हजारों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त में श्री अश्विनी आर्य संचालक महोत्सव में सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

राजस्थान के जोधपुर में 26, 27 व 28 मई, 2023 की तिथियों में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की तैयारियों हेतु कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

जोधपुर में महर्षि दयानन्द जी की स्मृति में पहली बार होगा अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – स्वामी आर्यवेश

जोधपुर। 14 फरवरी, 2023 को आर्य समाज की सर्वोच्च संस्था सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने महासम्मेलन की तैयारियों को सक्रिय करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में कहा कि राजस्थान में पहली बार आर्य समाज के संस्थापक व महान सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम पर 26, 27 व 28 मई को जो अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन जोधपुर में होने जा रहा है उसकी व्यापक स्तर पर तैयारियाँ करनी है। हाईकोर्ट कॉलोनी स्थित कर्मवीर रामसिंह आर्य स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में मंगलवार को हुई विशेष बैठक में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान व आर्य वीर दल जोधपुर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। स्वामी आर्यवेश जी ने अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के लिए अब तक की गई तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शीघ्र अलग–अलग कमेटियों का गठन करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रधान, अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के संयोजक युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस महासम्मेलन में राजस्थान एवं आस–पास के प्रदेशों के अलावा देश के विभिन्न प्रान्तों से तथा अन्य देशों के प्रतिनिधि, विद्वान, आर्य संन्यासी एवं आर्य महानुभावों को आर्य महासम्मेलन में पधारने के लिए निमंत्रण पत्र भेजे जायेंगे। इसी प्रकार हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, तेलंगाना+आन्ध्र प्रदेश, उड़ीसा, बंगाल, गुजरात आदि प्रान्तों से गुरुकुलों के ब्रह्मचारी व ब्रह्मचारिणियां तथा आर्य वीरों की टोलियां आर्य महासम्मेलन जोधपुर में पहुंचेगी। सम्मेलन में आने–जाने वाले संन्यासियों व आर्य समाज से जुड़े लोगों के लिए बसों, धर्मशाला–होटल, खान–पान सहित सुविधाओं के लिए स्थानीय स्तर के आर्य वीरों की टीमें बनाई जायेगी।

इस बैठक में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानंद एवोकेट, सभा के उपप्रधान श्री नारायण सिंह सर, आर्य वीरदल राजस्थान के अधिष्ठा श्री भंवर लाल आर्य, राजस्थान आर्य वीरदल के मंत्री श्री जितेन्द्र आर्य, आर्य वीर दल जोधपुर के अध्यक्ष श्री हरीसिंह आर्य, संचालक श्री उम्मेद सिंह आर्य, श्री मदन गोपाल आर्य, श्री शिव प्रकाश सोनी, श्री गजे सिंह भाटी आदि भी मौजूद रहे। •

महर्षि दयानन्द यज्ञशाला व पुस्तकालय फरीदाबाद के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जन्म जयन्ती महोत्सव एवं बोधोत्सव का भव्य कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

यशस्वी आर्य संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी का हुआ ओजस्वी उद्बोधन

आर्य केन्द्रीय सभा, फरीदाबाद एवं महर्षि दयानन्द यज्ञशाला व पुस्तकालय, सैक्टर–10, डीएलएफ, फरीदाबाद के तत्वावधान में गत् 19 फरवरी, 2023 रविवार को प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक महर्षि दयानन्द उपवन, सैक्टर–10, डीएलएफ, फरीदाबाद में महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आर्य जगत के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी का ओजस्वी उद्बोधन हुआ। उनके अतिरिक्त श्रीमती सविता आर्या मथुरा भजनोपदेशिका के भजनों का भी सुन्दर कार्यक्रम रहा। प्रातः 9 बजे डॉ. हरिओम शास्त्री के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें श्री पंकज गोयल यजमान के रूप में उपस्थित थे। इस पूरे कार्यक्रम में जिन महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति रही उनमें मुख्य रूप से श्री मदन लाल तनेजा संरक्षक आर्य केन्द्रीय सभा, श्रीमती विमला ग्रोवल प्रधाना स्त्री आर्य समाज सैक्टर–19, फरीदाबाद, श्री देशबन्धु आर्य उपप्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा, श्री राजेश आर्य प्रधान आर्य समाज ज्वाहर कालोनी, श्री नरेश आर्य प्रधान आर्य समाज सैक्टर–16, 17 एवं 18 फरीदाबाद, श्री सुरेश शास्त्री प्रधान आर्य समाज हनुमाननगर, श्री नन्दलाल कालड़ा समाजसेवी फरीदाबाद, श्री अशोक शास्त्री मन्त्री आर्य समाज सैक्टर–16, 17 एवं 18 फरीदाबाद, ब्र. राजेन्द्र यादव आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। इस पूरे कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष श्री गिरधारी लाल मित्तल रहे और मुख्य संयोजन श्री पी. के. मित्तल एडवोकेट, प्रधान महर्षि दयानन्द यज्ञशाला एवं पुस्तकालय थे। आर्य केन्द्रीय सभा फरीदाबाद के प्रधान श्री महेश चन्द्र गुप्ता एवं मंत्री श्री रघुवीर शास्त्री, कोषाध्यक्ष श्री दयानन्द सेठी तथा महर्षि दयानन्द यज्ञशाला के मंत्री श्री विजय आर्य तथा कोषाध्यक्ष श्री पंकज बंसल आदि ने पुरुषार्थ करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने महर्षि दयानन्द जी के जीवन और उनके कार्यों पर अपने ओजस्वी विचारों से प्रकाश डाला। स्वामी दयानन्द जी के जीवन से सम्बन्धित अनेक घटनाओं पर स्वामी आर्यवेश जी ने मार्मिक व्याख्या की तो उपस्थित लोगों में विशेष जोश उत्पन्न हुआ और ऋषि दयानन्द जी के जय के नारों से आकाश गूंज उठा। स्वामी जी ने महर्षि के त्याग, तप, वैराग्य, वेदों के प्रति निष्ठा, नारी उत्थान, दलितोद्धार, आर्ष शिक्षा, वर्णाश्रम व्यवस्था, पंच महायज्ञ, सोलह संस्कार, त्रैतवाद आदि अनेक विषयों को छूते हुए स्वामी दयानन्द जी के विचारों एवं दार्शनिक चिन्तन को अपने शब्दों में जन–सामान्य के समक्ष प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वामी आर्यवेश जी ने अगले एक वर्ष की कार्य योजना भी जनता के समक्ष प्रस्तुत की और उन्होंने कहा कि हम अगले एक वर्ष तक महर्षि दयानन्द सरस्वती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लें। इसके लिए प्रत्येक स्थानीय आर्य समाज, प्रान्तीय सभाएं, आर्य युवा संगठन, गुरुकुल, आर्य शिक्षण संस्थाएं तथा विविध अन्य प्रकल्प अपने–अपने स्तर पर ऋषि दयानन्द जी को समर्पित विविध कार्यक्रम आयोजित करें। यदि इस कार्य में हम जुट गये तो निश्चित रूप से ऋषि दयानन्द का नाम भारत ही नहीं विश्व के स्तर पर विख्यात होगा। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि प्रत्येक आर्य कम से कम अन्य दो लोगों को आर्य समाज से जोड़ें या सम्बद्ध करें। यदि हम ऐसा करेंगे तो करोड़ों लोगों को आर्य समाज से जोड़ने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से प्रयास करें कि युवक एवं युवतियों तथा नई पीढ़ी के बच्चों को महर्षि दयानन्द जी के जीवन एवं विचारों से प्रभावित करें। स्वामी आर्यवेश जी के ओजस्वी उद्बोध से आर्यों में एक नया जोश भर गया और सभी ने एक स्वर से यह संकल्प व्यक्त किया कि वे इस कार्य को प्राण पण से पूरा करके दिखायेंगे। कार्यक्रम बेहद उत्साह के साथ ऋषि लंगर में भोजन के साथ सम्पन्न हुआ।

महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जयन्ती के उपलक्षय में दयानन्द महाविद्यालय हिसार (हरियाणाा) में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी आधुनिक युग के प्रमुख दार्शनिक थे – स्वामी आर्यवेश

दयानंद महाविद्यालय हिसार में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के द्विशताब्दी जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य में 9 से 15 फरवरी, 2023 तक साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के समापन समारोह का आयोजन दिनांक 15 फरवरी, 2023 को हवन यज्ञ के माध्यम से किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश जी व विशिष्ट अतिथि श्री सत्यपाल अग्रवाल अध्यक्ष सजग संस्था, श्री सत्यप्रकाश आर्य कोषाध्यक्ष आर्य समाज नागोरी गेट, श्री धर्मेन्द्र सिंह जी का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन व प्रदर्शनी अवलोकन के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वामी आर्यवेश जी और अतिथियों को इस प्रदर्शनी से परिचित करवाते हुए बताया कि चित्रों की भाषा शब्दों से कई गुना ज्यादा होती है इसलिए यह प्रदर्शनी बच्चों के भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक धरोहर साबित होगी।

दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र रहे स्वामी आर्यवेश जी आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पधारे हैं, यह कॉलेज के लिए गौरव की बात है। स्वामी आर्यवेश जी आर्य समाज के लिए प्रकाश पुंज की तरह है। आज पतन के युग में स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार प्रासंगिक है और स्वामी आर्यवेश जी ने आर्य समाज के विचारों को हम सब से परिचित करवाकर महान कार्य किया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश जी ने बताया कि आजादी के इतिहास से अगर ऋषि दयानंद को हटा दिया जाए तो स्वाधीनता संग्राम फीका पड़ जायेगा। दुनिया के इतिहास में महर्षि दयानंद सरस्वती प्रमुख दार्शनिक उभर कर आते हैं। वेद ही सब सत्य विद्याओं की पुस्तक हैं। मुझे गर्व है कि वो डी.एन.

कॉलेज के 1970 में विद्यार्थी रहे हैं। स्वामी दयानंद ने त्रैतवाद का समर्थन किया। आर्य समाज 3 डी का सिद्धांत देता है जिसका मतलब है हमें किसी भी विचार पर शंका करने, बहस करने और असहमत होने का अधिकार है। आर्य समाज किसी के ऊपर अपने विचार थोपने के बदले उसे सहमत कराने के सिद्धान्त को मानता है। स्वामी जी ने कहा कि आजादी के दौरान अनेक क्रांतिकारियों के गुरु स्वामी दयानंद सरस्वती रहे थे। स्वामी ने पूर्व के संस्मरण बताया कि जब मैंने 1980 में डी.एन. कॉलेज में आर्य चरित्र निर्माण शिविर लगाया था, उस समय भी हजारों युवकों ने शिविर में अपनी भागीदारी की थी।

आर्य समाज दयानंद महाविद्यालय की संयोजिका डॉ. मोनिका कक्कड़ ने स्वामी दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं पर अमल करने की अपील की और सुरेंद्र बिश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. निर्मल द्वारा किया गया।

दयानंद महाविद्यालय हिसार के जनसंपर्क अधिकारी श्री नरेन्द्र सोनी ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर दयानंद महाविद्यालय में एक सप्ताह तक आर्य समाज व इतिहास विभाग के तत्वावधान में प्रदर्शनी व विभिन्न प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन सभी कार्यक्रमों में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित भी किए गए। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में पूरे वर्ष महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. मोनिका कक्कड, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. सुरेंद्र विश्नोई, प्रो. अरुणा कद, डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुनपाल, डॉ. शम्मी नागपाल व गैर शिक्षक कर्मचारी सुरेंद्र कादयान व अनिल शर्मा और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आर्य समाज औरंगाबाद, मितरौल (पलवल) का 84वाँ वार्षिकोत्सव महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयन्ती को समर्पित रहा

20 फरवरी, 2023 से 26 फरवरी, 2023 तक आयोजित रहा समारोह

स्वतंत्रता आन्दोलन में सर्वाधिक योगदान आर्य समाज का रहा – स्वामी आर्यवेश

आर्य समाज औरंगाबाद, मितरौल (पलवल) का 84वां वार्षिकोत्सव एवं वेद कथा का भव्य समारोह दिनांक 20 से 26 फरवरी, 2023 तक उत्साह के साथ मनाया गया। यह समारोह आर्य समाज के संस्थापक एवं महान समाज सुधारक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयन्ती को समर्पित रहा। समारोह में आमंत्रित विद्वानों ने महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के दृष्टिकोण एवं दार्शनिक विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह में स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त वैदिक विद्वान् पं. उमेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ आगरा, आचार्य देशराज सत्येच्छु भरतपुर, श्री दयालमुनि वानप्रस्थी आदि विद्वानों के अतिरिक्त पं. मोहित शास्त्री बिजनौर, पं. संदीप आर्य मेरठ, श्री चतर सिंह आर्य, श्री रणजीत आर्य, रेखा आर्या, श्री अमीचन्द आर्य आदि भजनोपदेशकों ने भाग लिया।

समारोह के अन्तिम दिन स्वामी आर्यवेश जी ने अपने उद्बोधन में तथ्य प्रस्तुत करते हुए बताया कि भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा है। 1857 की क्रांति से पूर्व तथा उसके पश्चात् स्वामी बिरजानन्द जी एवं स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की प्रेरणा से अनेक देशभक्तों ने आजादी के आन्दोलन में अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। महर्षि दयानन्द की प्रेरणा से अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द, स्वामी स्वतंत्रतानन्द, पं. श्यामजी कृष्ण वर्मा, लाला लाजपत राय, भाई परमानन्द, अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, शहीदे आजम भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खाँ आदि क्रांतिकारी नेताओं ने स्वतंत्रता आन्दोलन में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जन्म जयन्ती के अवसर पर पूरे देश को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि जिस आजादी का सुख हम भोग रहे हैं उसके पीछे आर्य समाज के इन महापुरुषों का बलिदान और भूमिका मुख्य रही है। स्वामी जी ने महर्षि दयानन्द जी के सामाजिक कुरीतियों एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध किये गये कार्यों का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महर्षि दयानन्द सरस्वती पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि आज भी चारों ओर पाखण्ड तथा अन्धविश्वास का बोलबाला है। छूआछूत, महिलाओं पर अत्याचार, नशाखोरी, भ्रष्टाचार तथा साम्प्रदायिकता से पूरा समाज त्रस्त है।

इस समारोह में आर्य समाज के प्रधान मा. शिव सिंह आर्य, उपप्रधान श्री कर्ण सिंह आर्य, मंत्री श्री मोहरपाल सिंह आर्य, उपमंत्री श्री जगदीश आर्य, कोषाध्यक्ष श्री चन्द्रभान आर्य, प्रचारमंत्री श्री जगवीर सिंह आर्य, पुस्तकाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह आर्य तथा लेखानिरीक्षक श्री राजेन्द्र आर्य आदि पदाधिकारियों के अतिरिक्त सर्वश्री प्रहलाद सिंह आर्य, वेदमुनि, श्रीचन्द महाशय, सत्यपाल आर्य, शिव कुमार आर्य, सुखवीर आर्य, शंकर लाल भारद्वाज तथा ब्र. राजदेव नैष्ठिक आदि का विशेष योगदान रहा। समारोह की स्वागत समिति में कवि रूपचन्द आर्य, ठाकुर लाल आर्य व नरेश आर्य ने भी कार्यक्रम की सफलता में अपना भरपूर योगदान दिया। समारोह का कार्यक्रम अत्यन्त उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध गांव धनौरा (टिकरी) जिला बागपत में तीन दिवसीय ऋग्वेदीय यज्ञ एवं आर्य सम्मेलन का आयोजन हुआ सम्पन्न

विश्व विख्यात आर्य संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी रहे मुख्य वक्ता

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध गांव धनौरा (टिकरी) जिला–बागपत में गत 21 से 23 फरवरी, 2023 तक ऋग्वेद खण्ड पारायण यज्ञ एवं आर्य सम्मेलन का विशाल आयोजन बड़ी भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में स्वामी आर्यवेश जी के अतिरिक्त श्री चन्द्रवीर राणा, पर्यावरणविद् श्री संजीव मान, श्री गौरव टिकैत आदि महानुभाव भी सम्मिलित हुए। उनके अतिरिक्त श्रीमती संगीता आर्या, व श्री संदीप आर्य तथा बहन सोनिया आर्या के भजनों का कार्यक्रम अत्यन्त प्रभावशाली रहा। वेद पाठ के लिए श्री अमित शास्त्री तथा श्री गंगाशरण आर्य ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

इस सम्मेलन का उद्घाटन इण्डियन नर्सरी मेन एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री योगेन्द्र पाल सिंह ने अपने कर–कमलों द्वारा ध्वजारोहण करके किया तथा कार्यक्रम का शुभारम्भ श्रीमती प्रमिला देवी एवं उनके पति श्री मनोज आर्य दिल्ली ने दीप प्रज्ज्वलित कर यज्ञ का शुभारम्भ करवाया। इस पूरे कार्यक्रम के संरक्षक दानवीर श्री प्रेम सिंह धनौरा रहे।

तीन दिन के इस विशेष कार्यक्रम में स्वामी आर्यवेश जी के विभिन्न विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान एवं संगीता आर्या के भजनों का कार्यक्रम चला। इस यज्ञ एवं सम्मेलन में क्षेत्र के सैकड़ों गांव से आर्यजन सम्मिलित होकर आहुतियां प्रदान करते रहे। उन सभी की एक विशाल बैठक आयोजित करके स्वामी आर्यवेश जी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में महर्षि दयानन्द सरस्वती की दूसरी जन्म शताब्दी को भव्यता के साथ मनाने की योजना पर विचार–विमर्श किया। स्वामी जी ने सभी को प्रेरित किया कि वे जिन गांवों में अभी तक आर्य समाज की इकाईयां नहीं हैं उन गांवों में आर्य समाज गठित करें। प्रत्येक गांव में स्त्री आर्य समाज तथा आर्य युवक संगठन निर्मित करें। महर्षि दयानन्द जी के चित्र व कलेण्डर घर–घर में लगवायें और महर्षि के जीवन चरित्र से सम्बन्धित टैक्ट लोगों में बांटें। समय–समय पर गांव में या शहरों में प्रभातफेरी या शोभा यात्रा निकालें तथा महर्षि के विचार को प्रचारित करें। प्रत्येक गांव में सार्वजनिक स्थानों पर यज्ञ करके लोगों से सामाजिक कुरीतियों को छोड़ने की प्रतिज्ञा करवायें। स्कूलों में महर्षि से सम्बन्धित भाषण प्रतियोगिता करवायें और विश्वविद्यालयों में महर्षि दयानन्द के ऊपर संगोष्ठियां आयोजित करवायें। विशेषकर धार्मिक पाखण्ड, नशाखोरी, अश्लीलता, जातिवाद, महिला उत्पीड़न, गोहत्या आदि ज्वलन्त मुद्दों पर लोगों के साथ संवाद करें और जन–जागृति का कार्य करें। अपने–अपने क्षेत्र में जन–चेतना यात्राएं निकालें जिसमें लाखों प्रचार सामग्री लोगों के बीच वितरित करें। इस कार्यक्रम से गांव के युवाओं में विशेष जागृति उत्पन्न हुई है और उन्होंने सामूहिक रूप से यज्ञ में आहुति देकर संकल्प किया कि वे आर्य समाज के सदस्य बनकर गांव में सभी कुरीतियों के विरुद्ध संगठित होकर कार्य करेंगे। गांव के युवकों के इस संकल्प और निर्णय से प्रभावित होकर चौगामा क्षेत्र के गांव दाहा टीकरी, दोघट, निरपुणा, भणल, विटावदा आदि के नवयुवकों ने भी अपने गांव में आर्य समाज की इकाईयां बनाने का निश्चय किया।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन और उनके कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि वे धनौरा गांव में दो दिन का समय निरन्तर इसलिए लगाते हैं कि इस गांव से उन्हें विशेष प्रेरणा मिली है। इस गांव के पूर्वजों ने एक अत्याचारी शासक को समाप्त कर उस कुरीति का समुल्लोच्छेद किया था जिसके कारण उस क्षेत्र की नवविवाहित वधुओं को विशेष राहत मिली थी। गांव की स्थापना के पीछे यही इतिहास जुड़ा हुआ है कि यहां के पूर्वज पहले बल्लभगढ़ के पास एक छोटी रियासत में रहते थे। उस रियासत के अत्याचारी शासक का यह आदेश था कि जिस भी कन्या की शादी होती उसे अपने पति के घर जाने से पूर्व उस अत्याचारी शासक के महल में जाना होता था। इस अत्याचार से सभी लोग अत्यन्त पीड़ित थे, दुःखी थे तब इस गांव के बुजुर्गों ने यह निश्चय किया कि हम ऐसे अत्याचारी शासक को समाप्त करके ही दम लेंगे और अन्त में यही हुआ पांच भाईयों में से एक भाई ने उस अत्याचारी शासक की हत्या कर दी और वे उस क्षेत्र को छोड़कर यहां आ गये। उन पांचों में से एक ने यह गांव बसाया और उनके गोत्र का एक मात्र यह गांव हैं बाकी चार भाई पंजाब और मोहाली के आस–पास गांव बसा लिये। इनके पूर्वजों के चार–पांच गांव ही हैं। ऐसे बहादुर लोगों का यह गांव निःसंदेह अत्याचार से लड़ने की विशेष प्रेरणा देता है और जब से मैंने इस गांव का इतिहास सुना, मेरा भी इस गांव से आत्मीय लगाव बन गया। मैं इनके आग्रह को सहर्ष स्वीकार करता हूं। यहां एक–दो दिन या अधिक भी लगाना पड़े तो अवश्य लगाता हूं। इस गांव में विशेष रूप से

श्री प्रेम सिंह आर्य जो निःसंदेह आज के भामाशाह हैं, उनकी आत्मीयता से मैं अत्यन्त प्रभावित हूं। स्वामी जी ने सम्मेलन के अन्तिम दिन सभी लोगों को अपने घरों में यज्ञ की परम्परा शुरू करने और नई पीढ़ी के बच्चों को संस्कारित करने का संकल्प दिलवाया। गांव की ओर से स्वामी जी का विशेष सम्मान किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम का संयोजन श्री अंकित शास्त्री ने किया और श्री आकाश आर्य, श्री संजीव आर्य, श्री अनुज आर्य, श्री कंवर पाल, श्री संजीव फौजी, श्री अंशू, श्री विचित्र, श्री कपिल, श्री सोहनवीर, श्री अनुज वैद्यवान आदि यज्ञ में यजमान बनें। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री अजयवीर कब्बडी कोच, श्री जल सिंह आर्य, मा. प्रेम सिंह, मा. धीरज सिंह, श्री सोहन्दर सिंह, श्री बिजेन्द्र मास्टर, श्री तेजपाल नेता जी, श्री गुलवीर सिंह, श्री राजवीर सिंह, श्री जसवीर सिंह, वयोवृद्ध श्री ताराचन्द, श्री रणवीर आर्य, श्री नरेन्द्र आर्य तथा श्री आचार्य सुनील कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानन्द जी महाराज तपोवन आश्रम, श्री वीरेन्द्र आर्य एवं श्री कर्ण सिंह आर्य चिन्दौड़ी, मा. जगत सिंह व मा. कविन्द मेरठ, मा. विजय सिंह राठी टिकरी, मा. राजेन्द्र आर्य प्रधान जिला सभा, डॉ. रवि आर्य मंत्री जिला सभा, श्री अवनीश आर्य रठौड़ा, श्री धर्मेन्द्र आर्य छपरौली, आचार्य रामपाल शास्त्री कार्यकारी प्रधान, श्री चन्द्रदेव शास्त्री प्रधान व पूर्व प्रधान श्री सोमदेव शास्त्री मानव सेवा प्रतिष्ठान दिल्ली, मा. बृजपाल राणा, श्री हरपाल आर्य निरपुणा, श्री शीशपाल आर्य बिटावदा, डॉ. नरेन्द्र आर्य सिसौली, मा. हरवीर संरक्षक आर्य समाज निरपुणा, श्री विक्रम प्रधान गैडाबरा, श्री रामपाल जी प्रधान बावली, श्री देवेन्द्र कुमार देव पब्लिक स्कूल, श्री जितेन्द्र आर्य दाहा, श्री विजेन्द्र सिंह बहादुरपुर, श्री मनोज आर्य एवं प्रमिला आर्या दिल्ली, बालकराम बड़ौदा, श्री रुकमपाल सिंह, प्रधानाचार्य नेता जी सुभाष चन्द्र कॉलेज तबेलागढ़ी, श्री धर्मपाल गढ़ी कांगरांग, श्री ओमवीर सिंह गैडाबरा, श्री महावीर सिंह ठेकेदार, श्री जयपाल मुनीम, मा. कृष्णपाल ग्राम मुलसम, श्री ओमीलाल मास्टर जी बड़ौदा, श्री आनन्द छिल्लर तबेलागढ़ी, श्री सत्यपाल आर्य दाहा, श्री रोहित दिल्ली, श्री संजीव कुमार शास्त्री गुरुकुल बरनावा, मा. प्रेमचन्द, श्री बलवीर सिंह सिसौली, श्री विचित्र आर्य कुटबी, डॉ. चन्द्रपाल पंवार बुढाना, श्री लोकेन्द्र आर्य दाहा, डॉ. राजेन्द्र आर्य इटावा, मा. प्रेमचन्द्र आर्य सिसौली, श्री विजयभव विद्यापीठ बड़ौत, श्री पप्पू आर्य एवं बहन सविता आर्या निरपुणा, बहन रजनी आर्या, बहन प्राची आर्या, बहन सोनिया आर्या, श्री रोहित बालियान, श्री मोहित कुमार आदि गणमान्य महानुभाव कार्यक्रम में पधारे।

तीन दिवसीय आर्य सम्मेलन एवं यज्ञ अत्यन्त उत्साह एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। तीनों दिन सभी आगन्तुक महानुभावों एवं गांववासियों के भोजन की व्यवस्था मा. प्रेम सिंह, मा. विजेन्द्र सिंह, श्री जलसिंह आर्य आदि घर किया गया। स्वामी आर्यवेश जी के निवास की व्यवस्था श्री लेखचन्द वैद्यवान के घर पर की गई, जहां उनके सुपुत्र श्री संजीव तथा पुत्रवधु रेखा ने विशेष आतिथ्य किया।

इस आयोजन के संरक्षक श्री प्रेम सिंह ने यज्ञ में सम्मिलित होने वाली सभी महिलाओं को शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और इसी प्रकार सभी विद्वानों को चांदी का सिक्का तथा स्मृति चिन्ह अपनी ओर से भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। शांति पाठ तथा ब्रह्मभोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

गुरुकुल धीरणवास का स्वर्ण जयन्ती समारोह एवं स्वामी दयानन्द जी की 200वीं जन्म जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 24 व 25 फरवरी, 2023 को आयोजित समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

हरियाणा के प्रत्येक गांव में आर्य समाज की टीमों का गठन होगा – स्वामी आर्यवेश

देश के सभी प्रान्तों में गुरुकुल खोले जायेंगे – स्वामी प्रणवानन्द

गुरुकुल धीरणवास के उन्नति के लिए भावी योजना तैयार की जा रही है – स्वामी आदित्यवेश

गुरुकुल का अतीत भी अच्छा है तथा भविष्य भी उज्ज्वल रहेगा – हरि सिंह सैनी

गुरुकुल धीरणवास, हिसार, हरियाणा का स्वर्ण जयन्ती समारोह एवं स्वामी दयानन्द जी के 200वीं जन्म जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 24 एवं 25 फरवरी, 2023 को आयोजित समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के नेता व गुरुकुल धीरणवास के कुलपति स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में अपना उद्बोधन देते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा प्रणाली संस्कारों की जननी है। उन्होंने कहा कि गुरुकुलों में मानव निर्माण के साथ–साथ संस्कृति को बचाने व ऋषियों की परम्परा को आगे बढ़ाने के कार्य किये जा रहे हैं। स्वामी जी ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी 200वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किये जाने वाली विभिन्न योजनाओं की घोषणा करते हुए बताया कि हरियाणा के प्रत्येक गांव में आर्य समाज की इकाईयां गठित की जायेंगी। आगामी एक वर्ष में 200 युवा निर्माण शिविर, 200 संगोष्ठियां, 200 भाषण प्रतियोगिताएं की जायेंगी तथा 200 ट्रैक्ट (विभिन्न भाषाओं में) प्रकाशित कर वितरित किये जायेंगे। स्वामी आर्यवेश जी ने महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के संदेश को घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया और कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया कि वे जिस गांव या शहर में रहते हैं वहां अपने क्षेत्र का कोई घर न छोड़ें जहां ऋषि दयानन्द जी का संदेश न पहुंचे सके।

महर्षि दयानन्द वैदिक गुरुकुल परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रणवानन्द जी ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है। क्योंकि लार्ड मैकाले की शिक्षा प्रणाली से हम नैतिक रूप से सक्षम व्यक्ति तैयार नहीं कर सकते। राष्ट्रवादी युवाओं के निर्माण व मातृ–पितृ सेवाभावी बच्चे गुरुकुलों से ही सम्भव हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में गुरुकुल स्थापित किये जायेंगे और प्राचीन आर्ष परम्पराओं को आगे बढ़ाया जायेगा। उन्होंने उपस्थित जनता का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को गुरुकुलों में पढ़ायें और गुरुकुलों को तन–मन–धन से सहयोग करें।

गुरुकुल धीरणवास के प्रधान तेजस्वी युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी ने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ संस्कार भी दिये जायें ताकि वे आज के भौतिकवादी युग में अपने जीवन को सफल बना सकें। उन्होंने देश की आजादी में स्वामी दयानन्द जी सरस्वती के योगदान पर विस्तार से अपने विचार रखते हुए कहा कि देश की आजादी में स्वामी दयानन्द तथा उनके अनुयायियों का सर्वाधिक योगदान रहा है। उन्होंने गुरुकुल धीरणवास की स्वर्ण जयन्ती को स्मरण करते हुए घोषणा की कि गुरुकुल की उन्नति के लिए शीघ्र ही एक प्रभावशाली योजना बनाई जायेगी जिसके अनुरूप गुरुकुल की चहुं ओर प्रशस्ति होगी। उन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान गुरुकुल की मुख्य गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री एवं आर्य समाज हिसार के प्रधान चौ. हरि सिंह सैनी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि गुरुकुल धीरणवास का अतीत भी स्वर्णिम रहा है और भविष्य भी उज्ज्वल है।

गुरुकुल के उप्रपधान श्री सूबे सिंह आर्य ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए गुरुकुल के लिए सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि गुरुकुल धीरणवास इस इलाके का प्रकाश स्तम्भ है। यहां से पूरे क्षेत्र में सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध प्रचार किया जाता है। जिससे पूरे क्षेत्र की जनता को लाभ मिलता है।

बेटी बचाओ अभियान की अध्यक्ष बहन पूनम आर्या तथा संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे बच्चों को संस्कारित करने का दायित्व अपने कंधों पर लें। अपने स्वाभिमान को जगायें और नारी जाति के गौरव को बढ़ायें।

कन्या गुरुकुल पचगांव की आचार्या जयावती जी ने कहा कि समाज में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, अनाचार, कन्या भ्रूण हत्या एवं बलात्कार की घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। अतः इन्हें समाप्त करने के लिए समाज के जागरूक लोगों को आगे आना चाहिए और इन बुराईयों को मिटाने के लिए अभियान चलाना चाहिए।

समाजसेवी पुनिया कंस्ट्रक्शन के मालिक श्री बनवारी लाल पुनिया जी ने कहा कि मेरा जीवन गुरुकुल शिक्षा की देन है। आज गुरुकुल की शिक्षा से ही हम नैतिकता को बचा सकते हैं।

प्रसिद्ध भजनोपदेशक तेजवीर आर्य ने कहा कि आर्य समाज जैसे तेजस्वी संगठन की आज देश को अत्यधिक आवश्यकता है। वर्तमान समय में देश में सामाजिक सौहार्द, साम्प्रदायिक सद्भाव तथा नैतिकता की जरूरत है और ये सब आर्य समाज का संगठन ही कर सकता है।

बहन कल्याणी आर्या के भजनों से श्रोता विशेषकर महिलाएं अत्यन्त प्रभावित हुई। उन्होंने महर्षि दयानन्द की प्रशस्ति में अपने ओजस्वी भजन प्रस्तुत किये।

युवा संन्यासी स्वामी मुक्तिवेश जी ने कहा कि देश में राष्ट्रीय स्तर पर नशाखोरी पर प्रतिबन्ध लगे और शराब के उत्पादन व विक्रय पर पूर्ण रोक लगाई जाये। उन्होंने अपने भजनों की भी शानदार प्रस्तुति की।

गुरुकुल धीरणवास के स्वर्ण जयन्ती के समापन अवसर पर बच्चों द्वारा भव्य मलखंभ व व्यायाम प्रदर्शन का कार्यक्रम बहुत ही सुन्दर एवं मनोहर था। बच्चों के करतब को देखकर सभी आश्चर्य चकित रह गये।

समारोह में गुरुकुल धीरणवास के मंत्री सर्वश्री दलवीर आर्य, जगदीश चन्द्र, शोभा चन्द, इन्द्रजीत आर्य, चौ. नन्दराम सांगवान, महावीर सिंह रिटायर्ड तहसीलदार, भूप सिंह, अजमेर सिंह, डॉ. अनूप आर्य, प्रो. राजवीर शास्त्री फतेहाबाद, महावीर सिंह सैनी, बलवन्त आर्य, खजान सिंह पनिहार, सत्यवीर नम्बरदार, जयवीर सोनी, सूबेदार हरि सिंह, सुरेन्द्र सिंह आर्य, देवेन्द्र सैनी, सजग अध्यक्ष श्री सत्यपाल अग्रवाल, सत्य प्रकाश आर्य, मनीराम गोयल, सुमेर सिंह कसवां, राजवीर भाटीवाल, निहाल सिंह डांगी, संजय डालमियां, दूनीचन्द गोयल, सत्यवीर वर्मा, कृष्ण कुमार सैनी, नरेश शर्मा, शमशेर सिंह आर्य, शमशेर आर्य वानप्रस्थ, सज्जन सिंह राठी, हरपाल आर्य अशोक आर्य, प्रदीप कुमार, ऋषिराज शास्त्री, अजीतपाल, जगदीश सींवर, अशोक वर्मा, राजेन्द्र चाडीवाल (सिरसा), कृष्ण कुमार रावलवास आदि का विशेष सहयोग रहा। इनके अतिरिक्त व्यवस्था को समुचित रूप से संभालने में सर्वश्री आचार्य योगेन्द्र कुमार, श्री नत्थू सिंह आर्य, श्री विक्रम सिंह, कुलदीप आर्य, नितिन आर्य, राधाकृष्ण शास्त्री, राजेश कुमार, सुशील कुमार, सोनू आर्य, बलराज मलिक, अनिल आर्य रावलवास एवं सहसरपाल आर्य आदि का विशेष योगदान रहा। समारोह में आर्य समाज नागौरी गेट, हिसार, आर्य समाज मॉडल टाऊन, हिसार, आर्य समाज बाल समन्द, आर्य समाज आर्य नगर, आर्य समाज डोभी, आर्य समाज फतेहाबाद, आर्य समाज सिरसा, दयानन्द ब्रह्म महाविद्यालय, हिसार, गुरुकुल कुम्भाखेड़ा, गुरुकुल आर्य नगर, कन्या गुरुकुल डोभी, कन्या गुरुकुल पचगांव, गुरुकुल मताना डिग्गी, फतेहाबाद, सैनिक एकेडमी, विकास डिफेन्स एकेडमी, आर्य समाज मुकलान तथा ग्राम पंचायत धीरणवास आदि का भी विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में बहन कल्याणी आर्या, श्री राम कुमार आर्य, श्री तेजवीर आर्य तथा स्वामी मुक्तिवेश आदि के भजनों का कार्यक्रम अत्यन्त प्रभावशाली रहा। समारोह के मुख्य कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणवीर गंगवा के प्रतिनिधि के रूप में सर्वश्री सत्यवीर वर्मा, अशोक एवं श्री संजीव गंगवा विशेष रूप से पधारे और उन्होंने श्री रणवीर गंगवा की ओर से गुरुकुल के लिए 5 लाख रुपये की ग्रांट देने की घोषणा के साथ कहा कि गुरुकुल के लिए जो भी आवश्यकता कार्यकारिणी समझेगी उनका उसमें पूरा योगदान रहेगा, दिनेश कुमार आर्य स्नातक, महेन्द्र सिंह आर्य, रामस्वरूप, सुरेन्द्र आर्य, मानव सेवा प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामपाल शास्त्री, स्वामी रामवेश जी प्रधान नशाबन्दी परिषद् हरियाणा, आचार्य प्रमोद योगार्थी, आचार्य सूर्यदेव वेदांसु, श्री सुशील शास्त्री गुरुकुल डिग्गी मताना, श्री संजय बूरा, विकास डिफेंस एकेडमी, बहन प्रविता सैनिक एकेडमी, श्री अश्विनी गर्ग हिसार, श्री वीरेन्द्र गुप्ता हिसार आदि

शेष पृष्ठ 6 पर

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वीं जन्म जयंती वर्ष तथा आर्य समाज के महान नेता, त्यागी-तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 86वें जन्मोत्सव के अवसर पर दिनांक 1 मार्च, 2023 को 16वाँ बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम में हुआ प्रारम्भ

महायज्ञ का समापन एवं मुख्य समारोह 12 मार्च, 2023 को विशाल स्तर पर होगा

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वीं जन्म जयन्ती वर्ष तथा आर्य समाज के महान नेता, त्यागी तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 86वें जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित 1 से 12 मार्च, 2023 तक चलने वाला 16वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक, हरियाणा में 1 मार्च, 2023 को विधिवत रूप से प्रारम्भ हुआ। इस यज्ञ में ब्रह्मा पद को हिमाचल के नूरपुर से पधारे स्वामी वेदप्रकाश जी सरस्वती सुशोभित कर रहे हैं तथा गुरकुल बरनावा के स्नातक आचार्य अमित शास्त्री एवं श्री जयकृष्ण शास्त्री वेद पाठी के रूप में विराजमान हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने की। उद्घटन सत्र में यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में सर्वश्री डॉ. रणबीर सिंह खासा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता खासा, श्री हरिकेश रावीश एडवोकेट व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रसुखी आर्या, श्री ईश्वर सिंह व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा आर्या, श्री रामफल सिंह व उनकी धर्मपत्नी, पूर्व कर्नल श्री आर. के. सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा देवी, पूर्व डी.एस.पी. श्री अर्जुन सिंह व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला, श्री मनोज पहलवान एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रीतू 'पूर्व पार्षद', श्री इन्द्रजीत राणा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीरज राणा आदि रहे। इस चतुर्वेद पारायण महायज्ञ का उद्घघाटन आर्य जगत् की प्रतिष्ठित विदुषी कन्या गुरुकुल रूड़की, रोहतक की आचार्या डॉ. सुकामा जी ने किया, जिन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री जैसे नागरिक सम्मान से विभूषित करने की घोषणा की है। इस अवसर पर आचार्या सुकामा जी को अभिनन्दन पत्र, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नव–निर्मित यज्ञशाला में उपस्थित सैकड़ों स्त्री–पुरुषों ने ओ३म् पट्ट पहनाकर उनके प्रति अपने आदर भाव व्यक्त किये। सम्मान करने वालों में मुख्य रूप से बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या एवं संयोजक बहन प्रवेश आर्या, आचार्य रामपाल शास्त्री, कर्नल आर.के. सिंह, डी.एस.पी. अर्जुन सिंह, डॉ. रणवीर सिंह खासा, श्री राजवीर वशिष्ठ आदि के अतिरिक्त आर्य समाज टिटौली के पदाधिकारी, आर्य साधिका मण्डल की महिलाएं तथा सभी उपस्थित संन्यासियों के नाम भी उल्लेखनीय हैं।

डॉ. सुकाम जी के सम्मान में अपने विचार रखते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने कहा बहन जी का सम्मान पूरे आर्य जगत का सम्मान है और उन्होंने अपनी तपस्या व साधना के बल पर देश का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करके पूरे आर्य जगत को गौरवान्वित किया है। आज उनका अभिनन्दन करते हुए हम सभी लोग अत्यन्त हर्षित एवं अभिभूत हैं। सम्मान के इस कार्यक्रम का संयोजन स्वामी आदित्यवेश जी ने किया तथा उनका सहयोग स्वामी मुक्तिवेश जी ने किया।

इस अवसर पर आचार्या सुकामा जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मेरे पिता जी ने सत्यार्थ प्रकाश पढ़कर मुझे गुरुकुल में पढ़ाने का संकल्प किया था। मेरी सामाजिक जीवन यात्रा सत्यार्थ प्रकाश से शुरू हुई। मैंने गुरुकुल में जाकर वहां के वातावरण को आत्मसात किया। स्वामी ओमानंद जी की प्रेरणा से पढ़ाई पूरी की। उनके जीवन से प्रभावित होकर मैंने स्वयं गुरुकुल परंपरा में जीवन लगाने का संकल्प लिया और अपनी विशेष सहयोगी बहन डॉ. सुमेधा के साथ मिलकर कन्या गुरुकुल चोटीपुरा के माध्यम से एक साथ कार्य प्रारंभ किया। मैं इस सम्मान को ऋषि दयानंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद तथा स्वामी ओमानंद जी की त्रिमूर्ति को समर्पित करती हूं।

महर्षि दयानंद द्वि जन्मशताब्दी आयोजन समिति, बेटी बचाओ अभियान एवं युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महायज्ञ में कन्या भ्रूण हत्या, गौहत्या, नशाखोरी, अश्लीलता तथा धार्मिक अंधविश्वास के विरुद्ध संकल्प की आहुतियां डलवाई गईं।

यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेदप्रकाश जी सरस्वती ने कहा कि आर्य समाज द्वारा सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए चलाया जा रहा आंदोलन भी एक महायज्ञ है। क्योंकि उपकार का दूसरा नाम भी यज्ञ है। जिस कार्य के करने से प्राणी मात्र का लाभ होता हो वह कार्य यज्ञ कहलाता है।

बेटी बचाओ अभियान की संयोजक बहन प्रवेश आर्य ने बताया कि यह यज्ञ स्वामी इंद्रवेश जी के 86वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। 12 मार्च तक चलने वाले इस यज्ञ में चारों वेदों के 20,000 से ज्यादा मंत्रों के माध्यम से आहुतियां दी जायेंगी। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ अभियान को समर्पित चारों वेदों का यह 16वां यज्ञ है। 12 मार्च, 2023 को इस महायज्ञ की पूर्णाहुति व वार्षिक समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या, स्वामी मुक्तिवेश, स्वामी ब्रह्मानंद, विनोद हुड्डा, जिले सिंह, ऋषिराज शास्त्री, अजयपाल, अंजली निंदाना, दीक्षा आर्या मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पिछले पृष्ठ का शेष

गुरुकुल धीरणवास का स्वर्ण जयन्ती समारोह एवं स्वामी दयानन्द जी की 200वीं जन्म जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 24 व 25 फरवरी, 2023 को आयोजित समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

विशिष्ट अतिथि भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

समारोह के दोनों दिन यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य देवदत्त शास्त्री रहे। उन्होंने बड़े सुन्दर ढंग से यज्ञ को संचालित किया। यज्ञ में यजमान के रूप में सर्वश्री डॉ. पवन कुमार, श्री ओम प्रकाश, श्री मनोज कुमार, डॉ. नरेन्द्र आर्य, श्री महेन्द्र सिंह, श्री अजीत सिंह, श्री जगदीश चन्द्र प्रवक्ता आदि प्रमुख थे। इस पूरे समारोह की व्यवस्था का गुरुतर भार गुरुकुल के कर्मठ मंत्री श्री दलवीर आर्य ने अपने कंधों पर उठाया और कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने इसमें मनोयोग से अपना योगदान दिया। विशेष रूप से भोजन की पूरी व्यवस्था गुरुकुल के कोषाध्यक्ष श्री मनीराम गोयल, श्री कृष्ण कुमार सैनी व श्री सत्य प्रकाश आर्य आदि ने संभाला और टेंट आदि के व्यय के लिए श्री नन्दराम सांगवान ने

अपनी पवित्र कमाई से 51 हजार रुपये प्रदान किया। कार्यक्रम अत्यन्त प्रभावशाली एवं प्रशंसनीय रहा। इस पूरे आयोजन का संयोजन स्वामी आदित्यवेश जी ने बड़ी कुशलता के साथ किया और उन्होंने सभी सहयोगियों को सम्मानित भी उदारता के साथ किया। गुरुकुल के विशिष्ट सहयोगी और पूर्व में गुरुकुल के विद्यार्थी रहे श्री बनवारी लाल पूनिया ने ढाई लाख रुपये की राशि देकर गुरुकुल का विशेष सहयोग किया।

गुरुकुल धीरणवास के स्वर्ण जयन्ती समारोह में श्रीमती ज्ञानो देवी, श्रीमती बंती देवी, श्रीमती सावित्री देवी, श्रीमती शांति देवी तथा श्रीमती निहाली देवी आदि बुजुर्ग माताओं का शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। उनके परोपकार के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई। सम्मान की इस श्रृंखला में गुरुकुल के समस्त सहयोगियों, कर्मठ कार्यकर्ताओं तथा गुरुकुल के सभी अध्यापकों को भी सम्मानित किया गया।

महर्षि दयानन्द सरस्वती की दूसरी जन्मशती के उपलक्ष्य में कल्पतरु साधना एवं सेवा आश्रम, गंगनहर, मुरादनगर की यज्ञशाला में आयोजित किया गया राष्ट्रभृत यज्ञ

केन्द्रीय मंत्री जनरल वी.के. सिंह जी रहे मुख्य अतिथि

विश्व विख्यात आर्य संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी ने दिया आशीर्वाद

सार्वदेशिक सभा के कोषाध्यक्ष पं. माया प्रकाश त्यागी जी ने किया कार्यक्रम का संयोजन

डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने यज्ञ के ब्रह्मा पद को सुशोभित किया तथा श्री प्रवीण त्यागी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन त्यागी रहे मुख्य यजमान

क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने यज्ञ में दी आहुति

गत् 18 फरवरी, 2023 को मुरादनगर गंग नहर के किनारे स्थित कल्पतरु साधना एवं सेवा आश्रम की भव्य यज्ञशाला में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का बोधोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रभृत यज्ञ का आयोजन किया गया जिके ब्रह्मा डॉ. जयेन्द्र आचार्य रहे और मुख्य यजमान श्री प्रवीण त्यागी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन त्यागी बनीं। यज्ञ में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री जनरल वी.के. सिंह ने भी आहुतियां प्रदान की। उनके अतिरिक्त श्री वैभव तथा श्री विभोर त्यागी (पं. माया प्रकाश त्यागी के दोनों पौत्र) भी सपत्नीक यजमान बनें और अपनी आहुतियां प्रदान की। इस पूरे कार्यक्रम संचालन पं. माया प्रकाश त्यागी जी ने बड़ी कुशलता के साथ किया। उन्होंने आश्रम की गतिविधियों एवं योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि महर्षि दयानन्द जी की 200वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आज हम आश्रम की इस यज्ञशाला में संकल्प लेवें कि समाज में किसी भी प्रकार का अन्धविश्वास, पाखण्ड एवं सामाजिक कुरीतियां न रह पायें।

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में आर्य संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी ने भी सभी उपस्थित लोगों को प्रेरणा दी और कहा कि हम लोग महर्षि के ऋण से उऋण होने के लिए उनके बताये मार्ग पर चलने का निश्चय करें।

जनरल वी.के. सिंह ने कार्यक्रम के आयोजकों का और विशेषकर श्री प्रवीण त्यागी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस आश्रम के माध्यम से महर्षि दयानन्द जी के संदेश को पूरे क्षेत्र के लोगों तक पहुंचाये जाने चाहिए। कार्यक्रम में पहुंचने पर जनरल वी.के. सिंह जी का क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण द्वारा भव्य स्वागत किया। बाद में उन्होंने आश्रम के लिए नव–निर्मित पहुंच मार्ग का उद्घाटन भी किया।

अन्त में पं. माया प्रकाश त्यागी जी ने सभी आगन्तुक महानुभावों का धन्यवाद देते हुए आश्रम के साथ निरन्तर जुड़े रहने का आग्रह किया। विदित हो कि आश्रम में नियमित योग की कक्षाएं संचालित होती हैं तथा समय–समय पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इस क्षेत्र का यह एक वैदिक प्रचार केन्द्र बना हुआ है। इसका निर्माण श्री प्रवीण त्यागी जी ने अपने बड़े मनोयोग से करवाया है। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

केन्द्रीय आर्य सभा, मेरठ के तत्वावधान में आयोजित ऋषि जन्म एवं बोधोत्सव के अवसर पर

आर्य जगत् के यशस्वी संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी का ओजस्वी व्याख्यान

15 से 19 फरवरी, 2023 तक मनाया गया ऋषि बोधोत्सव

आर्य केन्द्रीय सभा, मेरठ के तत्वाधान में गत् 15 से 19 फरवरी, 2023 तक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का जन्म एवं बोधोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वामी आर्यवेश जी 16 मार्च, 2023 को विशेष रूप से सम्मिलित हुए और आर्य समाज थापरनगर के हॉल में उनका ओजस्वी व्याख्यान हुआ। आर्य केन्द्रीय सभा के मंत्री श्री राजेश सेठी के आग्रह पर स्वामी आर्यवेश जी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आचार्य जयेन्द्र शास्त्री तथा प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री कुलदीप आर्य ने भी अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

युग प्रर्वतक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का प्रादुर्भाव 19वीं शताब्दी की एक ऐसी महत्त्वपूर्ण घटना थी जिसमें सम्पूर्ण विश्व के धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन पर अपना अमिट प्रभाव डाला। फाल्गुन कृष्ण–दशमी सम्वत् 1881 को बालक मूलशंकर का जन्म टंकारा गुजरात में हुआ। फाल्गुन कृष्ण–त्रयोदशी सम्वत् 1895 महाशिवरात्रि को मूलशंकर के हृदय में शंकर के मूल तक पहुंचने की जो जिज्ञासा जागृत हुई, उसको शान्त करने तथा मृत्यु पर विजय प्राप्त करने की इस दुर्गम यात्रा ने उन्हें दयानन्द बना दिया। दयानन्द बनकर वह महामानव इस विश्व भटकी हुई मानव जाति को वेद ज्ञान के मार्ग की सही दिशा प्रदान कर संसार का कल्याण कर गया। उस ऋषि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से हम प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं। महर्षि के इस देदीप्यमान व्यक्तित्व को जनता के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु केन्द्रीय आर्य सभा मेरठ के तत्वावधान में आयोजित यह ऋषि जन्म एवं बोधोत्सव अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस महोत्सव में सन्त शिरोमणि पूज्य स्वामी विवेकानन्द सरस्वती जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त रहा। 15 से 19 फरवरी, 2023 तक चले इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में डॉ. जयेन्द्र शास्त्री के निरन्तर व्याख्यान और श्री कुलदीप आर्य के भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। कार्यक्रम विभिन्न स्थानों पर भी आयोजित हुए जिनमें आर्य समाज सूरजकुंड मार्ग मेरठ, ग्राम–निलोहा, मवाना बाईपास रोड, मेरठ, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल मेरठ, तक्षशिला पब्लिक स्कूल मेरठ, श्रद्धापुरी, कंकरखेड़ा, मेरठ, आर्य समाज थापरनगर, मेरठ आदि स्थानों पर कार्यक्रम चलते रहे।

इस सम्पूर्ण आयोजन में डॉ. आर.पी. सिंह चौधरी अध्यक्ष, श्री राजेश सेठी मंत्री, श्री सुनील आर्य कोषाध्यक्ष, श्री हरवीर सुमन संयोजक आर्य केन्द्रीय सभा, श्री विजयपाल आर्य मंत्री व श्री राम सिंह जाखड़ कोषाध्यक्ष जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा, मेरठ, श्री मनीष शर्मा मंत्री व श्री भानू बत्रा कोषाध्यक्ष आर्य समाज थापर, मेरठ आदि का विशेष योगदान रहा। इनके अतिरिक्त श्री अशोक सुधाकर, श्री हरवीर सिंह बालियान, श्री सोहनवीर सिंह आर्य, श्री प्रदीप सिंघल, श्री महेशचन्द्र गुप्ता, श्री वीरेन्द्र आर्य, श्री रामनाथ कुशवाहा, इं. यशपाल सिंह, श्री सुशील गुप्ता, श्री रामपाल सिंह एडवोकेट, श्रीमती मुकेश आर्या, श्री महावीर सिंह, श्री आनन्द स्वरूप गोयल, श्री चन्द्रकान्त, श्री चन्द्र चौहान, श्रीमती कैलाश सोनी, श्रीमती गीता बंसल, श्रीमती मंजू समालिया, श्रीमती दिनेश अग्रवाल, श्रीमती प्रीति सेठी, श्रीमती गीता पसरीचा आदि का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

आर्य वीरदल राजस्थान के अधिष्ठान श्री भंवरलाल आर्य को मातृ शोक

स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द एडवोकेट व श्री धर्मेन्द्र आर्य श्रद्धांजलि देने जोधपुर पहुंचे

आर्य वीरदल के राष्ट्रीय संयोजक तथा राजस्थान के मुख्य अधिष्ठाता श्री भंवरलाल आर्य की पूज्या माता श्रीमती मेवा देवी जी का गत दिनों लम्बी अस्वस्थता के बाद देहावसान हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। उनके बड़े सुपुत्र श्री भंवरलाल आर्य, आर्य समाज के एक प्रतिष्ठित युवा नेता हैं और आर्य वीरदल के संठन को कुशलता के साथ संचालित कर रहे हैं। स्व. माता जी एक सद्गृहिणी तथा धार्मिक विचारों से ओत–प्रोत व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने अपनी सन्तान को पल्लवित, पोषित एवं संस्कारित किया। उनके देहावसान से परिवार को गहरा आघात लगा है, जो स्वाभाविक ही है।

गत् 14 फरवरी, 2023 को स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी आदित्यवेश जी, श्री बिरजानन्द एडवोकेट तथा श्री धर्मेन्द्र आर्य स्व. माता जी को श्रद्धांजलि देने तथा शोक संतप्त परिवार को अपनी संवेदना एवं शांत्वना देने उनके निवास पाबूपुरा जोधपुर पहुंचे। सभी परिवारजनों तथा परिवार के शुभचिन्तक महानुभावों के बीच स्वामी आर्यवेश जी ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जहां स्व. माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की वहीं जीवन मृत्यु के रहस्य और आध्यात्मिक विषय पर विचार प्रस्तुत करके परिवारजनों का दुःख बांटा। स्वामी जी का परिवार के बीच पहुंचने पर परिवार को विशेष संबल मिला। स्वामी जी ने अपने विचारों में ईश्वर और मृत्यु को सदैव याद रखने की प्रेरणा दी और कहा कि मृत्यु एक निश्चित शास्वत सत्य है। उसके आने का कोई समय निश्चित नहीं होता है, किन्तु प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में मृत्यु अवश्य ही आती है। इस सत्य को जब हम स्वीकार कर लेते हैं तो निश्चय ही हमारा मन हल्का हो जाता है। इसी प्रकार ईश्वर की व्यवस्था और उसके नियमों पर पूरा विश्वास और उसके प्रति समर्पण जब हो जाता है तो भी हमारा दुःख कम हो जाता है।

इस अवसर पर श्री बिरजानन्द एडवोकेट व स्वामी आदित्यवेश जी ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये। परिवार की ओर से श्री भंवर लाल आर्य ने स्वामी जी के सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पंजीयन संख्या (R.N.I. No.)- DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/2021-23
Licence to Post without prepayment of Postage. U (c)-289/2021-23

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य समाज के त्यागी, तपस्वी एवं तेजस्वी संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें :- *www.facebook.com/SwamiAryavesh* व फेसबुक पेज को लाइक करें तथा अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।
ई–मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

!!ओ३म्!!

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी

का

200 वीं

1824 - 2024

जन्म जयन्ती वर्ष

एवं 31 मई, 1883 को जोधपुर आगमन व प्रवास के उपलक्ष्य में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्य वीर दल राजस्थान के तत्वावधान में

26, 27 एवं 28 मई, 2023

को

जोधपुर (राज.) में

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

अध्यक्षता
स्वामी आर्यवेश जी
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली–110002

सहयोग राशि निम्न खाते में भेजें
आर्य प्रतिनिधि सभा समिति जोधपुर
A/C - 00860110015582
IFSC CODE - UCBA0002244
सहयोग राशि प्राप्त होने के बाद रसीद आपको भेज दी जायेगी।

आयोजक

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्य वीर दल राजस्थान

कार्यालय : आर्य समाज पाबूपुरा, गौरव पथ, नागरिक हवाई अड्डा रोड, जोधपुर–342015 (राज.)

बिरजानन्द एडवोकेट	कमलेश शर्मा	भंवरलाल आर्य	हरि सिंह आर्य	स्वामी आदित्यवेश
प्रधान	मंत्री	अधिष्ठाता/संचालक	अध्यक्ष	संयोजक
आर्य प्रतिनिधि सभा, (राज.)	आर्य प्रतिनिधि सभा, (राज.)	आर्य वीर दल, (राज.)	आर्य वीर दल, जोधपुर (राज.)	अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
9001304100	9460066557	9414476888	9413957390	9468165946

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (दूरभाष : 011-23274771)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : *sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com* वैबसाइट : *www.vedicaryasamaj.com*
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।